



उपस्थित। प्रतिवादी सं 4 व तरीबी प्रतिवादी  
सं 5 की तार्किक लोकर आधी अवलोकन  
किया गया। प्रतिवादी सं 4 की तार्किक उनके  
प्रतिबंध द्वारा प्राप्त की गयी जो सम्भव है तथा  
प्रतिवादी सं 5 की तार्किक शकारी ल दुरि है व  
जिस पर दो उवादान के दस्तावा भी कलाये  
गयी है इनको आवाजे दिमाधी गयी अवश्य  
आवाजे प्रतिवादी सं 4 व तरीबी प्रतिवादी गण  
सं 5 अनुपस्थित रहे अतः इनके विरुद्ध एकराम  
कार्यवाही अगल में लायी जाती है। वकील  
वादीगण द्वारा सपथ पत्रशास्त्र हेतु पेटा  
किया जो शक्ति मिलान किया गया।

वकील वादीगण ने बहस हेतु निवेदन  
किया अतः बहस वाद पत्र सर पुनी गयी  
गयी। दौरान बहस वकील वादीगण के  
वाद बहस के दोहराते हुए कथन किया  
विवादित भूमि वादीगण व प्रतिवादीगण सं 1 ता 4  
व तरीबी प्रतिवादीगण सं 5 के पिता तुलीचड  
पुत्र नानू से विरासत में आयी भूमि है जिसे  
वादीगण व प्रतिवादीगण सं 1 ता 3 व तरीबी प्रतिवादी  
सं 5 के पिता तुलीचड पुत्र नानू का नाम  
जमाबन्दी 2074-2077 के खाना सं 73 तथा  
तथा खाना सं 74 में इल्लाराम  
पुत्र नानू है जो तुलुचड योग्य होने ल तुलुचड

हुक्म

किता जाके साथ ही वादीगण व प्रतिवादी  
सं। ता 3 की ओर से राजीनामा पेश  
किता जा हुका है। वादीगण अपने मुक्त  
पिता दुखीपन उक्त नाम की खातेदारी अपने  
व तस्वीबी प्रतिवादी सं 5 के बहिला  
काफ कलवाग चारते है तथा अपने मुक्त  
पिता के नाम में शांति घन कावाग चारते  
साथ ही वादीगण अपनी बहिला का नाम  
हजफ कलवाग चारते है जिस कावत  
उम्त बहिला ने वादीगण भी पेश कर  
दिता है अतः मुताबिके राजीनामा वादीगण  
का बाद फक्त स्वीकार किता जाकर  
डिक्ती फरमाना जावे।

हमने बहिल वरीम वादीगण

बुनी तथा उस पर खगार मकन किता।  
पत्रावली पर पेश राजीनामा व पेश  
शुदा अमाबन्दीपो का अपमानन किता  
गप। पत्रावली व पत्रावली पर उपमन्त्र  
राफस्य दिहाई का अपमानन किता।  
बाद ग्रफ्त भूमि वादीगण व प्रतिवादीगण  
सं। ता 3 व तस्वीबी प्रतिवादी सं 5 की  
पेकिम भूमिदां है। वादीगण अपने पिता

के नाम को प्रति को अपने नाम करने के अधिकारी है। तथा जमावन्दी संवत् २०७५-२०७७ के खाता सं० नपा क्रमशः ३१, ३२९, १५५, १५२, १५१, ३२८, १५३ के अनुसार अपने पिता का नाम राजेश रिवाही जमावन्दी २०७५-२०७७ के खाता सं० नपा ७३ की जमावन्दी में उल्लिखित नाम राजेश पुत्र नानू को तथा जमावन्दी सं० २०७५-२०७७ के खाता सं० नपा की जमावन्दी में इलाहाबाद पुत्र नानुराम के स्थान पर अन्य श्रमिकों की खातेदारी अनुसार ही इलीचंद पुत्र नानू दुरुस्त कराने के अधिकारी है। वाद पत्र के अलावा लक्षण है कि वादीगण अपनी बटिकों का नाम हटाकर कलाना चाहते हैं। जिले हक त्याग स्वाम्य ज्यूरी योरी है। अतः स्वाम्य ज्यूरी पुराने पर खातेदारी अपने नाम कलाने के अधिकारी है।



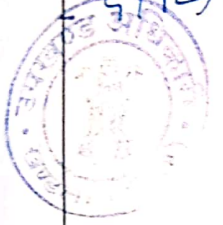
वादपत्र का वाद पत्र बरकरार रीजिगना स्वीकार मोग्य पाये जाने पर स्वीकार किया जाकर बरकरार रीजिगना डिडी किया जाता है। रीजिगना निर्णय व डिडी का भाग रहेगा। तदानीं तदानीं खर्चों को आदेरा दिया जाता है कि

जज (नाम)

हुक्म

राजीनामा में वर्णित भूमियों का प्रतिवेदिना  
 सं०। ता ३ के एक व्याग शुरू प्राप्त  
 करने का ही राजस्व रिमांड में अमल  
 परामर्श करे। इसी माती डिंडी मुर्ती  
 हो। पत्राक्षी फेंशम शुमार होकर  
 कम्प्ले से कम हो का तमहीम  
 काय्मि दम्पर हो।

2/11/19  
 उपमांड अधिकारी  
 खण्डेला (सीकर)



# डिक्री मुकदमा इब्तदाई

(ओ. 20 रूल 6-7 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी खण्डेला मुकाम खण्डेला  
बड़जलास श्री महीपाल सिंह (आर.ए.एस)

- 1 बोदूराम 2. उंकारमल 3. बाबुलाल 4. भूदरमल 5. मंगलचंद 6. राधेश्याम 7. कैलाश  
पुत्रगण दुलीचन्द समस्त जाति सैनी निवासी वार्ड नं. 11 जुगलपुरा तहसील  
खण्डेला जिला सीकर राजस्थान - (वादीगण)

## बनाम

- 1 संज्या देवी 2. सावित्री देवी 3. संतोष देवी पुत्रिया दुलीचन्द समस्त जाति सैनी  
निवासी वार्ड नं. 11 जुगलपुरा खण्डेला जिला सीकर राजस्थान।  
4 भूमिधारी तहसीलदार खण्डेला  
5 सोहनलाल पुत्र दुलीचन्द समस्त जाति सैनी निवासी वार्ड नं. 11 जुगलपुरा  
तहसील खण्डेला जिला सीकर राजस्थान। (प्रतिवादीगण)

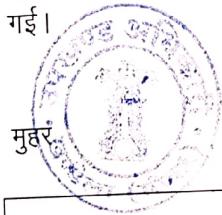
दावा बाबत घोषणा, रिकॉर्ड दुरुस्तगी व स्थाई निषेधाज्ञा

मुकदमा नं 135 सन् 2019

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरु श्री महीपाल सिंह  
आर.ए.एस व हाजिरी श्री रामावतार बिजारणियां एडवोकेट मिनजानिब मुद्ई रुबरु बरुए  
राजीनामा मिनजानिब मुद्दायलह पेश होकर हुकम दिया जाता है व डिगरी दी जाती है कि  
वादीगण का वाद पत्र बरुए राजीनामा स्वीकार योग्य पाये जाने पर स्वीकार किया जाकर  
बरुए राजीनामा डिक्री किया जाता है। राजीनामा, निर्णय व डिक्री का भाग रहेगा।  
तहसीलदार खण्डेला को आदेश दिया जाता है कि राजीनामा में वर्णित भूमियों का  
प्रतिवादिया सं. 1 ता 3 के हक त्याग शुल्क प्राप्त करने के बाद ही राजस्व रिकॉर्ड में  
अमल दरामद करे।

निज.....मुबलिग.....वाबत.....खर्चा  
इस मुकदमें के मय सूद बशरह.....फीसदी सालाना आज की तारीख से तारीख अदायगी  
तक .....का अदा करें।

बसवत मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 28 माह 08 सन 2019 को जारी की  
गई।



मुहर

दस्तखत.....  
उपखण्ड अधिकारी  
ओहदाखण्डेला (सीकर)

मुद्ई	रुपये	पैसे	मुद्दायलह	रुपये	पैसे
स्टाम्प अर्जी दावा स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प वजह सबूत महन्ताना वकील खर्चा गवाहान फीस कमिश्नर बाबत इजराय हुक्मनामा मुतफरिक			स्टाम्प अर्जी दावा स्टाम्प अर्जी महन्ताना वकील खर्चा गवाहान फीस कमिश्नर बाबत इजराय हुक्मनामा मुतफरिक		
मीजान			मीजान		

खर्चा के फार्म पर कुल खर्चा हर दो फरीकेन का चाहे डिगरी के जरिये दिखाया गया हो या नहीं दर्ज करना चाहिए।